

डॉ. डेविड हॉवर्ड, जोशुआ-रूथ, सत्र 10

अचन भ्रमण

© 2024 डेविड हॉवर्ड और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. डेविड हॉवर्ड रूथ के माध्यम से जोशुआ की पुस्तकों पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 10, जोशुआ 7, राहब, और अचन एक्सर्सिस है।

जब हम अध्याय 7 के अंत में पहुँचते हैं, तो हमें अध्याय 6 और 7 में दो प्रमुख पात्रों के बीच एक दिलचस्प अंतर दिखाई देता है। हमने अध्याय 2 में राहब के बारे में कुछ विस्तार से देखा है, वास्तव में, वह एक कनानी था जिसने विश्वास को अपनाया था इजराइल का।

और फिर अध्याय 6 में, हम उसे और उसके परिवार को इस विश्वास के कारण बचा हुआ देखते हैं। अध्याय 7 में आचन, हम उसे पाप करते और उसके परिणाम देखते हैं, और अंततः उसे अपना और अपने परिवार का पूर्ण विनाश भुगतना पड़ता है। और इसलिए यहां हम देखते हैं, हम इसे देखकर एक तरह से विरोधाभास की कल्पना कर सकते हैं।

निःसंदेह आकान एक इस्राएली था, और पाठ यह स्पष्ट करता है कि वह किस वंश से था इत्यादि। लेकिन एक तरह से, उसे कनानियों के भाग्य का सामना करना पड़ा। वह उसी तरह पूरी तरह से नष्ट हो गया जिस तरह कनानियों को नष्ट किया जाना था।

और इसलिए, एक अर्थ में, आकान अंत में एक कनानी बन गई, जबकि राहाब, इसके विपरीत, एक कनानी पैदा हुई थी, लेकिन अपने विश्वास के कारण, वह एक अर्थ में, एक इजराइली बन गई। जन्म से नहीं, बल्कि उसके विश्वास से। इसलिए, कालेब, एक इस्राएली, अपने विश्वास की कमी, अपनी अवज्ञा के कारण, कनानी बन गया।

राहाब, एक कनानी, एक इस्राएली बन गई और अपने विश्वास के कारण विश्वास के परिवार में शामिल हो गई, न कि अपने जन्म के कारण। तो, यह उन दो अध्यायों में एक दिलचस्प विरोधाभास है। यह डॉ. डेविड हॉवर्ड रूथ के माध्यम से जोशुआ की पुस्तकों पर अपने शिक्षण में हैं।

यह डॉ. डेविड हॉवर्ड रूथ के माध्यम से जोशुआ की पुस्तकों पर अपने शिक्षण में हैं। यह सत्र 10, जोशुआ 7, राहब, और अचन एक्सर्सिस है।